अगस्त, 2023 क्रमांक 08

e publication

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

पशुओं में आपदा प्रबंधन: बाढ़ सम्बन्धित हिदाएतें

बाढ़ से पूर्व

- पशुओं की टैगिंग करवाएं।
- संक्रामक रोगों (मुँह-खुर रोग, गलघोंटू रोग आदि) से बचाव का टीकाकरण सुनिश्चित करें।
- पशु बीमा योजना में पंजीकरण करवाएं।
- पशुओं की आपातकालीन निकासी योजना पर अम्ल करें, आसपास किसी ऊँचे स्थान, पशु आश्रय व वहाँ तक के रास्ते के विकल्पों की पहचान करें।
- कीटाणुनाशक दवाओं को सुरक्षित ऊँचे स्थान पर रखें।
- पशुओं की बिजली के खम्भों / तारों, ज्वलनशील सामग्री आदि से दुरी रखें।

बाढ़ के दौरान

- पानी बढ़ने पर पशुओं की रस्सी / बेल खोल दें, ताकि अचानक आपदा की स्थिति में पशु स्वयं सुरक्षित स्थान तक जा सके।
- आपदा के दौरान मरने वाले जानवर की जल्द से जल्द निस्तारण की व्यवस्था करें। उन्हें खुले में, पानी में या मैदानों में न छोड़े। संभव हो तो दफनाने की व्यवस्था करें। गड्ढा 6 फीट गहरा व जल स्त्रोतों (नदी, कुएं) से कम से कम 100 फुट दुरी पर हों।
- बीमा हुए मृत पशु का टैग के साथ विडियो बना लें, पशुचिकित्सक को अवश्य सूचित करें।
- पशुओं को गीला चारा न दें, संभव हो तो सम्पूर्ण फीड ब्लॉक उपलब्ध कराएं।

बाढ़ के पश्चात

- चारा उपलब्ध न होने पर सम्पूर्ण फीड ब्लॉक का प्रबंध करें।
- आपदा में बचे जानवरों की संख्या को पहचाने।
- पशुओं को आंतरिक व बाह्य परजीवीनाशक दवा चिकित्सीय सलाह से ही दें।

अगस्त के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- काली / फफूंद लगी तुड़ी पशुओं को न दें।
- बाड़े में मक्खी मच्छर आदि से बचाव करें।
- पशुओं में बाहरी परजीवियों (चिचड आदि) से बचाव करें, फर्श की नियमित सफाई करें।
- पशुओं के लिए स्वच्छ जल प्रबंधन करें।
- थनेला रोग से बचाव हेतु साफ़ सफाई का ध्यान रखें, दूध निकालने के तुरंत बाद पशु को बैठने न दें, दूध निकालने के बाद थनों को कीटाणुनाशक दवा से धोएं।
- विशेषज्ञों की सलाह से साइलेज बनाने का प्रबंध करें।
- नवजात पशु को जन्म के पश्चात एक - ढेड घंटे के अन्दर खीस जरुर पिलाएं, पशु के जेर गिराने का इंतज़ार न करें।

विस्तार शिक्षा निदेशालय की पशुपालकों हेतु टेली-सेवाएं

- बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों हेतु हेल्पलाइन सेवा 9485737001 (सोमवार से शनिवार सभी कार्यदिवस पर सुबह 10 से 01 बजे)।
- पशुपालक कॉल सेंटर 930-000-0857 (सोमवार से शुक्रवार सभी कार्यदिवस पर सुबह 10 से 01 बजे)।
- निशुल्क SMS सेवा : पंजीकरण हेतु संपर्क करें (01662-289599 / 01662-256073)।
- व्हाट्सअप्प ग्रुप : अपने जिले के अनुसार प्रगतिशील पशुपालक ग्रुप से जुड़ने हेतु 930-000-0857 पर अपना जिले के नाम के साथ व्हाट्स अप्प मेसेज भेजे।

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना एवं डॉ ज्योति शुन्ठवाल

विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास